ISBN: 978-81-974990-9-8

12. कोविड–19 का छत्तीसगढ़ राज्य पर प्रभाव और नए आयाम

डॉ. रेखा तिवारी

प्राचार्य,

केशरी शिक्षण समिति खोखरा, जांजगीर.

❖ छत्तीसगढ़ राज्य में कोविड–19

छत्तीसगढ़ राज्य में अनेकों धर्म, जाति के लोग निवास करते हैं अपने जीवनयापन के लिए व्यापार करते हैं कमाते हैं और नौकरी के लिए शिक्षा ग्रहण करते हैं। उच्चशिक्षा प्राप्त करने के लिए बच्चे राज्य व देश से बाहर दूसरे देशों में पढ़ाई करते हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस से संक्रमण का पहला मामला, 18 मार्च, 2020 को रामपुर में लंदन से लौटी 24 वर्षीय युवती के कोरोनावायरस से संक्रमित होने से पता चला था। युवती के माता पिता को रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में निगरानी हेतु रखा गया था।

25 अप्रैल 2020 तक छत्तीसगढ़ में 11386 लोगों का टेस्ट किया जा चुका था जिनमें 3 संक्रमित पाए गए। इन में कुछ लोग ठीक हो गए थे। छत्तीसगढ़ में भीकोरोना महामारी के कारण अनेकों जान गई जिनका दाह संस्कार भी परिजनों को करना नसीब नहीं हुआ। यह महामारी आर्थिक तंगी का मुख्य कारण बन गई थी। मंहगाई दर में वृद्धि हो गई थी जब कि लोग बेरोजगार ,घर में सामाजिक दूरी का पालन कर रहेथे।

कोविड–19 हमारे राज्य के लिए अत्यन्त दुःखदरहा।राज्य के विकास, शिक्षा व्यवस्था, रोजगार प्रभावित हुआ अकारण मृत्यु भी हुई।

कोविड–19 जो कि संक्रमित रोग है। यह वायरसपूरेविश्वमेंसर्वप्रथमनवंबर 2019 में छोटे पैमाने पर सामने आया था, जब कि पहला बड़ा समूह दिसंबर 2019 मेंचीन के वुहान में दिखाई दिया था।पहले यह माना गया था कि कोविड–19 का कारण बनने वाला वायरस SARS-CoV -2 चीन के वुहानमैं खुले में लगे "वेट मार्केट" में से इंसानों में फैला।

कोविड–19 एक वायरल श्वसन बीमारी है जो बुखार, खांसी और सांस की तकलीफ का कारण बनती है, लेकिन इस के कई अन्य लक्षण भी हो सकते हैं।कोविड–19 विश्वमें किसी भी मानव शरीर चाहे वह शिशु हो, युवाहो या फिर बुजुर्ग हो संक्रमित कर सकता है।

यहवायरस इम्यूनिटीसिस्टम के कमजोरहोनेपर घातक रूप से फेफड़े की कोशिकाओं में वायरस इन्जेक्ट करके कोशिकाओं को नष्ट कर देता है जिस के कारण ऑक्सीजन लैवल कम होने लगता है। यह वायरस फेफड़े को अत्यधिक प्रभावित करता है।

जब हम किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आते हैं और उस व्यक्ति को सर्दी जुखाम है और अचानक छीकता है तब उसके मुँह से निकलने वाली तरल बुलबुले की छींटे हमपर पड़ते हैं जिस से वायरस फैलने का खतरा बढ़ जाता । कोविड–19 भारत में मार्च 2020–21 में प्रवेश कर चुका था।

हम वायरस के संक्रमण से बच सकते हैं सावधानी बरतकर योग, मेडिटेशन, स्वच्छता, साफ वातावरण शुद्ध भोजन करके । हमें सामाजिक दूरी रखनी है तथा मॉस्क लगाए रखना था।

वक्त के साथ सदा बदले तअल्लुक कितने,
तब गले मिलते थे अबहाथ मिलाया न गया।

यह कोविड–19 एक संक्रामक रोग है जो संक्रामक कोरोना विरिडाई नामक विषाणु परिवार के एक नए सदस्य से होता है। इससे मनुष्य पहलीबार प्रभावित हुआ था।

यह वायरस एक संक्रमित व्यक्ति के बोलने, खांसने या छींकनेपर निकलनेवाली ड्रॉप्लेट्स यानी छोटी–छोटी बूंदों के माध्यम से दूसरे व्यक्तियों में फैलता है। इसलिए हमें सामाजिक दूरी बनाएं रखने की सलाह दी जातीथी।

केरोना वायरस पहले जानवरोंमें, पाया जाता था और यह जानवरों में ही पाया जाने वाला वायरस है। चीन के वुहान वेटमार्केट में अनेकों जानवरों के मीट एक साथ रखकर बेचा जाता था । वहाँ के इंसान जानवरों के मांस बड़े चाँव से खाते थे।

जानवरों में कुत्ता, सुअर, चमगादड़, साँप आदि शामिलहै। जिसे भोजन के रूपमेंवहाँ खाया जाता है। इसी के कारण जानवरों में पाया जाने वाला वायरस मनुष्य के अन्दर प्रवेश करने का मौका पालिया। एक्सपर्ट के हिसाब से चमगादड़ से यह वायरस निकला और वुहान के किसी व्यक्ति को संक्रमित किया और उसके बाद वायरस बाकी इंसानों में फैलनेलगा।

अन्य वैज्ञानिकों के अनुसार यह वायरस को बरा साँप से निकला है परन्तु यह भी अनुमानित है। इस वायरस का जन्म कहा से , किस जानवर से हुआहै यह कहा नहीं जा सकता।

- **विश्वस्तर–**

कोरोना वायरस विश्वस्तर में भया वह स्थिति उत्पन्न करनेवाला संक्राम करो गहै। यह वायरस प्रत्येक में शीघ्रता से फैल तीथी।

जब तक इस वायरस की जानकारी सुनिश्चित की गई संक्रमण बढ़ चुकाथा। जिससे आर्थिक तंगी स्वास्थ्य समस्या बढ़ गई वो मंजर जहाँ अपनों को तड़पता देखा गया कितना भयावह था।

कोविड–19 के संक्रमण को कम करने के लिए यात्राओं पर प्रतिबंध लगाया गया और लॉकडाउन जैसी स्थिति लागू की गई। कोविड–19 के दौरान लोग खाने–पीने को मोहताज थे। बहोतों की मौत भी हो गई।

- **भारतदेश–**

भारत विभिन्न संस्कृति और विभिन्नता ओं से परिपूर्ण देश है। भारत का राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आवागमन लगा रहता है चाहे वह व्यापार के लिए हो या फिर शिक्षा के लिए।

भारत में कोविड–19 का पहला मामला 30 जनवरी 2020 को केरल में सामने आया। केरल के तीन शहरों में जिनमें तीन भारतीय मेडिकलछात्र थेजोमहामारी के केंद्रवुहान से लौटेथे। संक्रमण को रोकने के लिए लॉकडाउन की घोषण की गई। केरला में 23 मार्च को और देश के बाकी हिस्सों में 25 मार्च को संक्रमण दर में गिरावट शुरु हुई।

❖ कोविड–19 के आयाम

कोविड–19 के आयाम निम्न लिखित हैं–

ग्रामीण व शहरी क्षेत्र–पारंपरिक रूप से, कृषि ही ग्रामीण भारत का मुख्य व्यवसाय एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा रोजगार का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कोविड–19 वैश्विक महामारी ने विश्व के विभिन्न देशो में संकट पूर्ण स्थिति पैदा कर दी।

हमारे राज्य में भी लॉकडाउन किया गया। लॉकडाउन की स्थिति में किसी भी मनुष्य का घर से निकलना आसान नहीं था। इन्हें खुलेमें घुमने की आजादी, मानों छीन ली गई हो। घर बैठे राशन मिलना आवश्यक सामग्री की पूर्ति हो पाना मुस्किल था। लोगों की सेविंग समाप्त हो गई , कई लोग कर्ज में डूब गए।

➢ छत्तीसगढ़ सरकार द्वाराउठाए गए कदम–

- ✓ सरकार द्वारा कोविड–19 के बचाव हेतु जागरूकता लाया गया।
- ✓ कोविड 19 की जानकारीदीगई।
- ✓ छत्तीसगढ़ राज्य में लॉकडाउन किया गया।
- ✓ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराने हेतु सिविर लगाया गया।

✓ मॉस्क, हेंडवास, सामाजिक दूरी रखने की सलाह दी गई।

➢ **स्वास्थ्य परप्रभाव–**

"स्वच्छ शरीरमें, स्वच्छ मस्तिष्क का विकास होता है।" अगर हमारा स्वास्थ्य ठीक ना रहे तो कार्य करने की क्षमता घट जाती है। हमारा शरीर और मन हमारे बंद जतवस में नहीं रहता।

- **कोविड–19 के पूर्वस्वास्थ्य परप्रभाव–**

कोविड 19 के पूर्वभीस्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याथी परन्तु गम्भीर रूप से फैलने वाली रोग नहीं थी। सामान्य सर्दी–जुखाम, बुखार होती थी जिससे मृत्यु का भय नहीं रहता था।

- **कोविड–19 के पश्चात् स्वास्थ्य परप्रभाव–**

कोविड–19 के आने से सर्दी–जुखाम, सरदर्द, उल्टी, दस्तमें बढ़ोत्तरी हुई और गम्भीर रूप से संक्रमित करने वाली यह वायरस तेजी से फैलने लगी। ऑक्सीजन लेवल कम होने लगी।

इस वायरस के कारण मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य परग हरा प्रभाव पड़ा मृत्यु भय सताने लगा था । इम्युनसिस्टम कमजोर कर के फेफेडे को अधिक प्रभावित किया।

➢ **छत्तीसगढ़ सरकार द्वारास्वास्थ्य क्षेत्र मेंउठाए गए कदम–**

- निःशुल्क स्वास्थ्य की जांच
- 23 की जाँच मार्च को छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ लोक स्वास्थ्य अधिनियम, 1949 के तहत कोरोना वायर सको " अिधिसूचित संक्रामक रोग" घोषित किया।

- **रोकोअउटोको' अभियान**

- 9 अप्रैल 2021, रायपुरनगरनिगम से यूनिसेफ के साथरायपुर, जिला प्रशासन और समाजसेवी संगठन 'समर्थ' द्वारा संयुक्त रूप से कोविड–19 संक्रमण रोकने शत–प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने और लोगों में कोविड अनुरूप्यवहार को सुनिश्चित किया।
- लेगों को सामाजिक दूरी, मास्क उपयोग, हाथ की साफ–सफाई वैक्सी नेशन के लिए प्रेरित किया।

- **राजनांदगांवजिलेमें 'रोकोअउटोकोरथ**

- कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने, प्रोटोकाल का पालन करने और कोविड वैक्सीनेशन के प्रति जागरूकता के लिए।
- ऑक्सीजन ऑनव्हील्स, एम्बुलेंस सेवा और खाद्यान्न वितरण कार्य का शुभारंभ।
- 'ऑक्सीजन ऑनव्हील्स' नाम से होम आइसोलेशन के मरीजों के लिए ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर की घरपहुंच सेवा।

- कोरोना मरीजों को घर से अस्पताल और अस्पताल से घर लाने–ले जाने के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा।
- जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क सूखा राशन वितरण कार्य का शुभारम्भ।

कोरोना संक्रमण से निपट ने अमरीका के मेयोक्लिनिक और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच सहयोग

- मेयोक्लिनीक के डॉक्टरों द्वारा छत्तीसगढ़ के चिकित्सकों और पैरामेडिल स्टाफ को प्रशिक्षण दिया गया।
- राज्य के चिकित्सक, छत्तीसगढ़ के मरीजों के संबंध मेंमेयोक्लिनीक के डाक्टरों के साथ चिकित्सकीय परामर्श भी लिए।

➢ **शिक्षापर कोविड–19 का प्रभाव–** शिक्षा हमारे उज्जवल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा हमें समाज में उच्चस्थान प्रदान करने में सहायक है।

- **छत्तीसगढ़ में कोविड–19 के पूर्वशिक्षा**

कोविड–19 के पूर्वशिक्षा विद्यालयों में, संस्थाओं में जाकर ग्रहण किया जा ताथा। जिस में छात्र व शिक्षक आमने–सामने बैठकर कर संवाद प्रक्रिया के द्वारा ज्ञानार्जन करते थे। खेलभी खेल तेथे जिससे शारीरिक व मानसिक विकास हो ताथा। सहयोगात्मक भावनाएँ जागृत होती थी तथा शिक्षा स्तर अच्छी थी।

छत्तीसगढ़ में कोविड–19 के पश्चात् शिक्षा–

- कोविड–19 के पश्चात् शिक्षा स्तर में गिरावट आने लगी।
- उनका मानसिक व शारीरिक विकास प्रभावित हुआ।
- तर्क–वितर्क, सोचने समझने की क्षमतामें कमी आ गई।
- मोबाइलफोन का प्रचलनतेजी से बढ़ा जिससेहमारीआँख कमजोर, सोचने समझने की क्षमता कम होनेलगी।
- आलस्यता की ओर बढ़ने लगी व पढ़ाईमें ध्याननहींलगपाया।

शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सरकारद्वारा उठाए गए कदम–सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेकों कदम उठाए जिसमें ऑनलाइन क्लास भी शामिल है जिस सेबच्चों की पढ़ाई–प्रभावित न हो।

- शिक्षा के नए–नए पढ़ाने के तरीके निकाले गए।
- शिक्षा के गोठ

- पढ़ई तुहर दुआर
- पढ़ई तुहर मोहल्ला
- लाउडस्पीकर
- बुल्टू के बोल

अनेक नवाचारी कार्यक्रम प्रारंभकिए गए। जिसके तह तहमारे शिक्षकों के प्रयास से ज्यादा से ज्यादा बच्चों को सीखने का अवसर प्रदान किया जा सके। कोविड–19 के बाद शिक्षा के क्षेत्र मेंटेक्नोलॉजी ने जो रफ्तार पकड़ी वो सराहनीय है। ऑनलाइन पढाई से हमें अनेकों जानकारी यूट्यूब, google के माध्यम से कम समय में आसानी से प्राप्त हो जाती है।

हमें सकारात्मक सोच के साथ अपनी शिक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है बस, फिर सरकार ने हमारे शिक्षा के लिए अनेकों नवाचारी उपाय निकाले हैं। जिससे लॉकडाउन की स्थिति में भी हम अपनी शिक्षा स्तर को बेहतर करने में सक्षम हो सकते हैं।

याता यात के क्षेत्र में–

कोविड–19 के दौरान यातायात प्रभावित हुआ लॉकडाउन की स्थिति में हमें अपने घर से मोहल्लेतक में जाने की छूट नहीं थी जिस से राज्य से बाहर रह रहे लोग अपने आवासस्थान में वापस लौटने हेतु असमर्थ थे। उनकी रहने, खाने–पीने की व्यवस्था बिगड़ गई। बसों में बहोत कम यात्रियों को बैठने तथा यात्रा करने के लिए कहा गया जिस से सामाजिक दूरी बनी रहे और कोविड–19 से बचाव किया जा सके।

व्यवसाय के क्षेत्र में–

व्यापारियों को कोविड–19 के दौरान घाटे का सामना करना पड़ा किन्तु बड़े व्यापारियों को मुनाफा भी हुआ। सामानों को आवश्यकता से अधिकदामों में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बेचा गया।

रोजगार के क्षेत्र–

कोविड– 19 के दौरान लोगों का रोजगार छीन गया। बाहर राज्यों में काम करने गए लोगों को अपने राज्य वापस आना पड़ा और आर्थिक तंगी से जुझना पड़ा।

- **कोविड–19 के पूर्वरोजगार–** कोविड– 19 के पूर्व रोजगार कुछ हद तक व्यक्तियों के पास प्रत्येक क्षेत्र में मौजूद था जिससे वे अपनी जीवन या पनको अच्छे से चला रहे थे और अपनी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम थे।

- **कोविड–19 के पश्चात् रोजगार–** कोविड–19 के पश्चात् रोजगार मिलना कठिन हो गया था। बेरोजगारी दर पहले से तीन गुना बढ़ गई थी।

रोजगार के क्षेत्र में सरकार द्वारा उठाए गए कदम–

- ✓ वित्तिय सहायता प्रदान करना
- ✓ 20 श्रमिक कल्याण नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गये
- ✓ लॉकडाउन के बाद 1.7 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज के साथ देश के गरीब जरुरतमंद और असंगठित क्षेत्र के श्रमिको को मदद के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का शुभारंभ किया गया।

"आहार से व्यवहार, पानी से वाणी और
योग से स्वस्थ शरीर निर्धारितहोताहै।"

निष्कर्ष–

कोरोना वायरस से बचने के लिए लगातार प्रयास किए गए। शोधकर्ताओं ने इस वायरस से छुटकारा पाने के लिए, दवाबना ने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लगातार इस खतरनाक बीमारी से बचने के लिए कठोरकदमउठाए गए। सरकार द्वाराकिए गए प्रयास और साथही प्रत्येक व्यक्ति की सकारात्मक समझ की सहायता से कोरोना वायरस का खतरानियंत्रण में आने लगा।

कोविड–19 महामारी का प्रभाव 2023 में समाप्ति की ओर बढ़ने लगा। हमें अपने स्वास्थ्य और अपने वातावरण की शुद्धता व साफव सफाई का ध्यान रखना चाहिए। खानपान में फल, हरी सब्जी का उपयोग प्रोटीन की पूर्ति कर इम्यूनसिस्टम को improve करता है।

"निरोग जीवन का एकहीमंत्र, शाकाहारी जीवन शैलीहरदम।"